परिशिष्ट सारणी IV.13 : सूक्ष्म वित्त कार्यक्रमों की प्रगति

(मार्च के अंत में)

मद	स्वयं सहायता समूह									
	संख्या					राशि (₹ करोड़ में)				
	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
वित्तीय वर्ष में बैंकों द्वारा संवितरित ऋण	2,261,132 (1,377,278)	2,698,400 (1,777,763)	3,146,002 (2,208,182)	2,887,394 (1,696,299)	3,398,267 (2,474,719)	47,186 (27,479)	58,318 (36,819)	77,659 (55,590)	58,071 (31,755)	99,729 (68,917)
बैंकों का बकाया ऋण	5,020,358 (3,083,143)	5,077,332 (3,510,238)	5,677,071 (3,956,504)	5,780,244 (3,601,395)	6,739,957 (4,781,201)	75,598 (43,576)	87,098 (58,432)	108,075 (73,184)	103,289 (61,393)	151,051 (101,840)
बैंकों के पास बचत	8,744,437 (4,608,745)	10,014,243 (6,019,185)	10,243,323 (6,258,085)	11,223,400 (3,601,395)	11,893,053 (7,764,906)	19,592 (11,785)	23,324 (14,482)	26,152 (15,836)	37,477 (21,308)	47,240 (31,077)
	सूक्ष्म वित्त संस्थाएं									
	संख्या					राशि (₹ करोड़ में)				
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण	1,902	1,913	4,746	28,542	24,628	22,228	13,721	19,133	12,120	23,173
बैंकों का बकाया ऋण	4,973	5,404	15,141	61,111	58,753	26,172	16,045	27,256	21,063	34,865
	संयुक्त देयता समूह									
	संख्या					राशि (₹ करोड़ में)				
बैंकों द्वारा संवितरित ऋण (वित्तीय वर्ष के दौरान)	10.2	16	41.8	41.3	54.1	13,955	30,947	83,103	58,312	112,773

टिप्पणियां : 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 और 2021-22 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के तहत शामिल एसएचजी का विवरण देते हैं।

2. बैंकों से ऋण लेने वाले एमएफआई की वास्तविक संख्या खातों की संख्या से कम होगी, क्योंकि अधिकांश एमएफआई एक ही बैंक से कई बार और एकाधिक बैंकों से भी ऋण लेते हैं।

स्रोत: नाबार्ड।